

French profs visit IIT-K develop tutorial program

Kanpur: A developer tutorial using open source implementation of oneM2M, developed by a French research lab, LAAS CNRS was organised by India-EU ICT Standards Collaboration Project at IIT-Kanpur on Tuesday. A team of French Professors from the University of Toulouse conducted this program at the Department of Computer Science and Engineering, IIT Kanpur.

The tutorial was attended by students and researchers working in the area of Internet of Things (IoT) and Smart City. TNN

स्मार्ट सिटी परियोजना में किया जा सकता है फ्रांसीसी एप्लीकेशन का इस्तेमाल

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

भारत की स्मार्ट सिटी परियोजनाओं में फ्रांसीसी स्मार्ट सिटी एप्लीकेशन का प्रयोग असरदार तरीके से किया जा सकता है। आईआईटी, कानपुर में मंगलवार को स्मार्ट सिटी एप्लीकेशन पर फ्रांस की रिसर्च लैब द्वारा ट्यूटोरियल का आयोजन किया गया।

इंडिया-ईयू आईसीटी स्टैंडर्ड्स कॉलैबोरेशन प्रोजेक्ट के तहत आयोजित डेवलपर ट्यूटोरियल में वन एम2एम ओपन सोर्स का उपयोग किया गया। 'वन एम2एम को फ्रांस की रिसर्च लैब एलएएस-सीएनआरएस द्वारा तैयार किया गया है। फ्रांस की 'द यूनिवर्सिटी ऑफ टॉलूयूज' के प्राध्यापकों के दल ने आईआईटी के संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग में उक्त कार्यक्रम आयोजित किया। इंटरनेट ऑफ थिंग्स एवं स्मार्ट सिटी के क्षेत्रों में कार्य करने वाले विद्यार्थियों एवं अनुसंधानकर्ताओं ने इस ट्यूटोरियल में भाग लिया। विभिन्न संस्थानों व आईआईटी कानपुर के अनुसंधानकर्ताओं के सहयोग से 'स्मार्ट सिटी एप्लीकेशन' पर आयोजित होने वाला



आईआईटी में आयोजित ट्यूटोरियल में भाग लेते प्रतिभागी।

यह पहला कार्यक्रम है, जिसे एक अच्छी शुरुआत माना जा सकता है। एलएएस-सीएनआरएस ने फ्रांस के शहर बोर्दों में स्मार्ट सिटी एप्लीकेशन का असरदार तरीके से इस्तेमाल किया है। इसी प्रकार भारत में स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत इस एप्लीकेशन का प्रयोग किया जा सकता है।

आईआईटी कानपुर के प्रो. अमर करकरे ने इस कार्यक्रम की मेजबानी की। प्रो. करकरे कानपुर स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के सलाहकार बोर्ड के सदस्य भी हैं। इस कार्यक्रम में बतौर अतिथि यूरोपियन यूनियन के प्रतिनिधि मंडल के साथ ही यूरोपियन

टेलीकम्युनिकेशन स्टैंडर्ड्स इंस्टीट्यूट, टेलीकम्युनिकेशन स्टैंडर्ड्स डेवलपमेंट सोसाइटी इंडिया तथा सेकेंडेड यूरोपियन स्टैंडराइजेशन एक्सपर्ट इन इंडिया के प्रतिनिधि उपस्थित हुए। इंडिया-ईयू आईसीटी स्टैंडराइजेशन, पॉलिसे एंड लैजिस्लेशन नामक परियोजना के लिए यूरोपियन यूनियन द्वारा धन उपलब्ध कराया गया है।

इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य भारत व यूरोप के बीच आईसीटी स्टैंडर्ड्स के उत्पादन तथा उपयोग के संबंध में सहयोगात्मक कार्यों को आगे बढ़ाना है, जिससे कंपनियों को व्यापार करने में सुगमता हो सके।

यूरोपियन यूनियन के सहयोग से आईआईटी में ट्यूटोरियल कार्यक्रम आयोजित

स्मार्ट सिटी में हर कदम प्रदूषण जांच

आईआईटी में फ्रांस की रिसर्च लैब ने कराया तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम

अमर उजाला ब्यूरो

कानपुर। स्मार्ट सिटी में शहर का पूरा सिस्टम तकनीक पर आधारित होगा। ट्रैफिक सेंसर की मदद से संचालित होगा और हर कदम पर प्रदूषण की मॉनिटरिंग होगी। फोन कॉलस ड्रॉप होने की समस्या भी दूर होगी। मंगलवार को आईआईटी में आए फ्रांस की दि यूनिवर्सिटी ऑफ टौलूसे के विशेषज्ञों ने ये जानकारीयां दीं। वे यहां इंडिया-यूरोप आईसीटी स्टैंडर्ड्स कॉलैबोरेशन प्रोजेक्ट के तहत आयोजित तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम में आए थे। एक दिवसीय यह कार्यक्रम फ्रांस की रिसर्च लैब की ओर से कराया गया था।

विशेषज्ञों ने कहा कि स्मार्ट सिटी के प्रोजेक्ट में आम लोगों की सहूलियत का खास ख्याल रखा जाएगा। इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) की मदद से लोगों को हर काम के लिए ज्यादा से ज्यादा विकल्प दिए जाएंगे ताकि किसी एक कंपनी का प्रभुत्व न



आईआईटी में कार्यशाला के बाद विशेषज्ञों ने साथ में तस्वीर खिंचवाई।

स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के सलाहकार प्रो. अमर करकरे ने बताया कि यूरोप संग मिलकर तैयार की जानी हैं योजनाएं

रहे और लोग आसानी से अपने काम करा लें। कार्यक्रम के समन्वयक और स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के सलाहकार प्रो. अमर करकरे ने बताया कि यूरोप के साथ मिलकर स्मार्ट सिटी के लिए योजनाएं तैयार की जानी हैं। इसी के चलते इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में आईओटी और स्मार्ट सिटी पर काम करने वाले विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। इसमें फ्रांस की

रिसर्च लैब एलएएस-सीएनआरएस ने कई तकनीकी जानकारी भी साझा की। इस दौरान टेलीकम्युनिकेशन स्टैंडर्ड्स डेवलपमेंट सोसाइटी इंडिया, डेलीकेशन ऑफ यूरोपियन यूनियन, यूरोपियन टेलीकम्युनिकेशन स्टैंडर्ड्स इंस्टीट्यूट, सेकेंडेड यूरोपियन स्टैंडराइजेशन एक्सपर्ट इन इंडिया के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

2

Hindustan Page- 19 31/10/2018

50-100-100
8m 2100E

आईआईटी में फ्रांस की रिसर्च लैब का हुआ तकनीकी प्रशिक्षण

सेंसर से चलेंगी गाड़ियां कंट्रोल होगा यातायात



मंगलवार को आईआईटी में इंडिया यूरोप आईसीटी स्टैंडर्ड कोराबोरेशन प्रोजेक्ट के तहत तकनीकी प्रशिक्षण में विशेषज्ञ व अन्य।

स्मार्ट सिटी

कानपुर | कार्यालय संवाददाता

स्मार्ट सिटी में गाड़ियां सेंसर से दौड़ेंगी। ट्रैफिक भी सेंसर से ही कंट्रोल होगा। हर कदम पर प्रदूषण को मॉनीटरिंग होगी। मोबाइल पर कॉल ड्रापिंग की समस्या से छुटकारा मिलेगा। क्योंकि स्मार्ट सिटी में पूरा सिस्टम तकनीक की मदद से चलेगा। यह जानकारी फ्रांस के टू यूनिवर्सिटी ऑफ नौलीसे के विशेषज्ञों ने दी।

आईआईटी में मंगलवार को इंडिया यूरोप आईसीटी स्टैंडर्ड कोराबोरेशन

प्रोजेक्ट के तहत तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें स्मार्ट सिटी के प्रोजेक्ट के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। बताया गया कि स्मार्ट सिटी में लोगों को किस-किस तरह की सहायता मिलेगी। इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) की मदद से लोगों को हर काम के लिए अधिक से अधिक विकल्प दिए जाएंगे ताकि किसी एक कंपनी का प्रभुत्व न रहे और लोगों का काम आसानी से हो सके। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. अमेय करकर ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में आईओटी और स्मार्ट सिटी एप्लीकेशंस पर काम करने वाले

विशेषज्ञों ने बड़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रो. करकर ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में फ्रांस की रिसर्च लैब एलएएस-सीएनआरएस ने स्मार्ट सिटी के लिए कई तकनीकी जानकारी भी साझा की है। प्रो. अमेय ने बताया कि यूरोप के साथ मिलकर स्मार्ट सिटी के लिए योजनाएं तैयार की जानी हैं। टेलीकम्यूनिकेशन स्टैंडर्ड डेवलपमेंट सोसायटी इंडिया, डेलीकेशन ऑफ यूरोपियन यूनियन, यूरोपियन टेलीकम्यूनिकेशंस स्टैंडर्ड इंस्टीट्यूट, सेकेंड डेड यूरोपियन स्टैंडर्ड्स इजेशन एक्सपर्ट इन इंडिया के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

Dainik Jagran Page- 05
31/10/2018

फ्रांस की तकनीक से स्मार्ट बनेगा कानपुर

जागरण संवाददाता, कानपुर : कानपुर में भी यातायात, बिजली, सीवर व पानी का प्रबंधन स्मार्ट तरीके से होगा। फ्रांस के शहर बोर्दों में स्मार्ट सिटी एप्लीकेशन के असरदार तरीके से इस्तेमाल के बाद देश में भी इस प्रक्रिया को अपनाया जाएगा। शुरुआत हैदराबाद से होगी। इसके लिए करार हो चुका है।

मंगलवार को फ्रांस समेत अन्य यूरोपियन देशों का पांच सदस्यीय दल आईआईटी कानपुर पहुंचा। भारत का पांच सदस्यीय दल भी इनके साथ था। इसमें प्रोफेसर व तकनीशियन शामिल रहे। मौका था इंडिया ईव्यू आईसीटी स्टैंडर्ड्स कोलेबोरेशन प्रोजेक्ट के तहत ट्यूरीयल कार्यक्रम का। कंप्यूटर

● यूरोपियन देशों से पांच सदस्यीय प्रोफेसर व तकनीशियन का दल पहुंचा आईआईटी

साइंस विभाग में हुए कार्यक्रम के दौरान दल में शामिल तुलूज विश्वविद्यालय के प्रोफेसर व अन्य लोगों ने फ्रांस की रिसर्च लैब में तैयार किए गए मॉडल के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। स्मार्ट सिटी के अलावा इंटरनेट ऑफ थिंग्स में हो रहे शोध कार्यों के बारे में भी बताया गया।

कानपुर स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के सलाहकार व बोर्ड के सदस्य आईआईटी प्रोफेसर अमेय करकर ने उनसे बातचीत की।

सेंसर से होता है ट्रैफिक व बिजली का संचालन :

प्रो. करकर ने बताया कि फ्रांस में यातायात, बिजली, सीवर व पानी का प्रबंधन सेंसर के जरिए किया जाता है। वहां पुराने से पुराने सरकारी दस्तावेज भी सुरक्षित रहते हैं। इन्हें डिजिटल सेंसर से जोड़ दिया गया है। कानपुर को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए वे इस मॉडल व तकनीक को किस तरह लागू करें इस पर भी चर्चा की जाएगी। ट्यूरीयल में डेलीगेशन ऑफ यूरोपियन यूनियन, यूरोपियन टेलीकम्यूनिकेशन स्टैंडर्ड्स इंस्टीट्यूट, टेलीकम्यूनिकेशन स्टैंडर्ड्स, डेवलपमेंट सोसायटी इंडिया व सेकेंड डेड यूरोपियन स्टैंडर्ड्स इजेशन एक्सपर्ट इन इंडिया के प्रतिनिधि शामिल रहे।

कीमो के खतरे को काटेगा यह लोहा

शाशांक शेखर मारदराज • कानपुर

कहावत है, लोहा लोहे को काटता है, लेकिन कानपुर आइआइटी (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान) का लोहे के साथ प्रयोग कीमो के खतरे को काटेगा। यहां के मैटेरियल साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग ने मैग्नेटिक नैनो कैप्सूल तैयार किया है, जो कीमोथेरेपी में मदद कर रेडिएशन का दुष्प्रभाव करीब 80 फीसद तक कम करेगा। कीमोथेरेपी की दवाओं से भरा यह पॉलीमर कोटेड कैप्सूल इंजेक्शन के जरिये संक्रमित हिस्से तक पहुंचाया जाएगा, वहीं पॉलीमर कोटिंग हटेगी। इससे कीमो मेडिसिन से होने वाले रेडिएशन की जद में केवल संक्रमित हिस्सा ही आएगा। लैब परीक्षण सफल होने के बाद अब क्लिनिकल ट्रायल के लिए एक प्रतिष्ठित कैंसर अस्पताल से समझौता होने जा रहा है। इस शोध को इंग्लैंड स्थित रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री सांफ्ट मैटर (विश्व की प्रमुख केमिकल सोसाइटी में से एक) ने अपने जर्नल में प्रकाशित किया है।

ऐसे बना नैनो कैप्सूल: फेरिक ऑक्साइड में लोहे के दो खनिज तत्व होते हैं। एक हेमाटाइट (इसे लोहे का अल्फा तत्व भी कहते हैं) और दूसरा मेग्नेटाइट

जागरण विशेष

- आइआइटी कानपुर ने कैंसर रोगियों के लिए बनाया पॉलीमर कोटेड मैग्नेटिक नैनो कैप्सूल
- कीमोथेरेपी की दवा रखकर इंजेक्शन से संक्रमित हिस्से तक पहुंचाएंगे, रेडिएशन होगा कम

41 डिग्री सेल्सियस तापमान तक सह सकता है कैप्सूल

80 फीसद तक रेडिएशन का दुष्प्रभाव कीमोथेरेपी में कम करेगा

(गामा)। हेमाटाइट गैर चुंबकीय और मेग्नेटाइट चुंबकीय गुण का होता है। प्रयोग के दौरान अल्फा से लौह भस्म व गामा से कीमोथेराप्यूटिक ड्रग कैरियर कैप्सूल बनाया गया। प्रो. विवेक वर्मा के निर्देशन में डॉ. नितेश कुमार दो साल से यह शोध कर रहे थे।

इस तरह करेगा काम: संस्थान

10 दिन में लौह भस्म तैयार

लोह भस्म 100 दिन में तैयार होती है, लेकिन इस प्रयोग के दौरान महज 10 दिन में ही भस्म तैयार कर लिया गया। डॉ. नितेश कुमार के मुताबिक फेस डाइग्राम, स्थैतिक अध्ययन और ऑक्सीडेशन प्रक्रिया पर कार्य कर यह काम किया गया।



6 नैनो मैग्नेटिक कैप्सूल की मदद से कीमोथेरेपी की

दवाओं का साइड इफेक्ट कम होगा। लैब टेस्टिंग सफल होने के बाद तकनीक का पेटेंट कराया जाएगा। एक कैंसर अस्पताल में क्लिनिकल ट्रायल के लिए समझौता हो रहा है।

प्रो. विवेक वर्मा, मैटेरियल साइंस एंड इंजीनियरिंग, आइआइटी



अन्य विशेष खबरों के लिए इस लिंक पर जाएं
www.jagran.com/topics/jagran-special

के बायोलॉजिकल साइंस एंड बायो इंजीनियरिंग (बीएसबीई) विभाग के लैब में सिम्युलेटेड बॉडी मॉडल पर इस नैनो कैप्सूल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया। करीब दो टेस्ला (चुंबकीय क्षेत्र की तीव्रता का मात्रक) का चुंबकीय क्षेत्र उत्पन्न किया गया। इससे उत्पन्न ऊष्मा से कैप्सूल की पॉलीमर कोटिंग हट गई और

कीमो की दवा संक्रमित हिस्से पर पहुंच गई। चूंकि एमआरआइ से भी दो टेस्ला चुंबकीय क्षेत्र के बराबर ऊष्मा मिलती है, इसलिए एमआरआइ से पॉलीमर कोटिंग हट जाएगी। कैप्सूल अधिकतम 41 डिग्री सेल्सियस तापमान सह सकता है और एमआरआइ के दौरान लोहे का तापमान इससे थोड़ा अधिक हो जाता है और कोटिंग हट जाती है।